

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
निगमित संचार निदेशालय

भारत के पूर्वी तट की ओर बढ़ रहे चक्रवात यास के मददेनजर भाविप्रा हवाई अड्डों ने बरती सभी सावधानियाँ

नई दिल्ली, 24 मई, 2021: चक्रवात तौकते से बरपी तबाही का सामना करने के बाद, भारत का पूर्वी तट अब चक्रवात यास से निपटने के लिए तैयार है। नागर विमानन मंत्रालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नियमित समीक्षा बैठकों में बारीकी से स्थिति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। नागर विमानन मंत्रालय के सचिव श्री प्रदीप सिंह खरोला ने ऐसे विभिन्न हवाई अड्डों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए आज एक बैठक की अध्यक्षता की जो चक्रवात से प्रभावित हो सकते हैं। इस वर्चुअल बैठक में श्री संजीव कुमार, अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सदस्य (प्रचालन), सदस्य (योजना), क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक (पूर्वी क्षेत्र), भाविप्रा, निदेशक (पूर्वी क्षेत्र), भारतीय मौसम विभाग, स्टेशन कमांडर, वरिष्ठ मौसम अधिकारी, भारतीय नौसेना और पूर्वी तथा दक्षिणी क्षेत्र के हवाई अड्डों के विमानपत्तन निदेशकों ने भाग लिया।

भारी बारिश और 20-25 मील से 35 समुद्री मील तक की तेज हवाओं के कारण, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे से आज, दिनांक 24 मई, 2021 के लिए शेड्यूल्ड सिविल उड़ानों का प्रचालन स्थगित कर दिया गया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और भारतीय मौसम विभाग का शीर्ष प्रबंधन दक्षिणी और पूर्वी भारत के अन्य सभी हवाई अड्डों की स्थिति को लगातार मॉनिटर कर रहे हैं। नुकसान को कम करने के लिए सचिव (नागर विमानन) ने निर्देश दिए कि चक्रवात से प्रभावित होने वाले सभी हवाई अड्डों पर सभी निवारक उपाय किए सुनिश्चित किए जाएं।

हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे, जन शक्ति की सुरक्षा और सुरक्षित उड़ान प्रचालन को ध्यान में रखते हुए नागर विमानन सेवाओं और हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे के बचाव के लिए हवाई अड्डों को 'पूर्वानुमान, योजना और सुरक्षा' की नीति अपनाने के निर्देश दिए गए।

भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी नवीनतम मौसम बुलेटिन के अनुसार, बंगाल की पूर्व-मध्य खाड़ी पर व्यावहारिक रूप से ठहरने के बाद, चक्रवात यास के धीरे-धीरे उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है, अगले 24 घंटों के दौरान यह एक तीव्र चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और बाद के 24 घंटों में इसके और अधिक प्रचंड रूप धारण करने की सम्भावना है। इसका उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ना जारी रहने के साथ-साथ इसकी गति और तीव्र होगी तथा 26 मई की सुबह तक यह उत्तर ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों के पास बंगाल की उत्तर-पश्चिमी खाड़ी तक पहुंच जाएगा। इस बात की भी सम्भावना है कि यह चक्रवाती तूफान और अधिक तीव्र वेग के साथ 26 मई की दोपहर के आसपास पारादीप और सागर द्वीपों के बीच उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों को पार कर जाएगा।

अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से स्थिति को बारीकी से मॉनिटर कर रहे हैं। इस समय जबकि चक्रवात के कारण भुवनेश्वर, कोलकाता, झारसुगुडा और दुर्गापुर हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन प्रभावित होने की संभावना है, चक्रवाती हवाओं के रुख बदलने की स्थिति में रांची, पटना, रायपुर, जमशेदपुर, बागडोगरा, कूचबिहार, विशाखातट्टनम और राजमुंदरी हवाई अड्डों को सचेत रहने के निर्देश दिए गए हैं।

निगमित संचार निदेशालय, भाविप्रा द्वारा जारी किया गया
जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सीसी), फोन नं 011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति संख्या: 9/2021-22

Airports Authority of India
Corporate Communication Directorate

AAI Airports taking all precautions in the wake of Cyclone Yaas approaching Eastern Coast of India

New Delhi, 24th May 2021: After facing the devastation of Cyclone Tauktae, Eastern Coast of India is now bracing for Cyclone Yaas. Ministry of Civil Aviation and the Airports Authority of India are closely monitoring the situation with regular Review Meetings. Sh. Pradeep Singh Kharola, Secretary, Ministry of Civil Aviation today chaired a meeting to take stock of the preparedness of various airports that may likely be impacted by the cyclone. The virtual meeting was attended by Sh. Sanjeev Kumar, Chairman, Airports Authority of India, Member (Ops) and Member (Planning), Regional Executive Director (Eastern Region), AAI, Director (Eastern Region), Indian Meteorological Department, Station Commander and Senior Meteorological Officer, Indian Navy and Airport Directors of airports from Eastern and Southern Regions.

Due to heavy rain and winds of 20-25 knots gusting up to 35 knots, scheduled civil flight operations at the Port Blair Airport in the Andaman & Nicobar Islands has been suspended for today, 24th May, 2021. Senior management at AAI, along with IMD, is consistently monitoring the situation at all other airports in Southern and Eastern India. Secretary (Civil Aviation) instructed that all preventive measures be in place at all airports that are likely to be impacted by the Cyclone, to minimize any damage.

Keeping safety of airport infrastructure, manpower and safe flight operations in mind, airports have been advised to 'anticipate, plan and protect' to safeguard the airport infrastructure and civil aviation services.

As per the latest Weather Bulletin issued by IMD, after laying practically stationary over East-central Bay of Bengal, Cyclone Yaas is very likely to move slowly northnorthwestwards, intensify further into a Severe Cyclonic Storm during next 24 hours and into a Very Severe Cyclonic Storm during subsequent 24 hours. It would continue to move north-northwestwards, intensify further and reach Northwest Bay of Bengal near north Odisha and West Bengal coasts by 26th May early morning. It is very likely to cross north Odisha-West Bengal coasts between Paradip and Sagar islands around noon of 26th May as a Very Severe Cyclonic Storm.

Chairman, Airports Authority of India, along with the senior officers, is closely monitoring the situation with regular Review Meetings. While flights operations at Bhubaneswar, Kolkata, Jharsuguda and Durgapur Airports are likely to be impacted by the Cyclone; Ranchi, Patna, Raipur, Jamshedpur, Bagdogra, Cooch Behar, Vizag and Rajahmundry Airports have been instructed to be on alert in case the cyclonic winds change path.

Issued by Corporate Communications Directorate, AAI
For details please contact: GM (CC) 011-24622787
Press Release No. 9/ 2021-22